

जिसके दिल को प्रभु प्रेम भाता नहीं

भजन : जिसके दिल को प्रभु प्रेम भाता नहीं

जिसके दिल को प्रभु प्रेम भाता नहीं,
ऐसे लोगों से मुझको तो मिलना नहीं ।
जिस जगह ईश का ध्यान होता नहीं,
उस जगह में हमें तो ठहरना नहीं ॥

हर कली हर घड़ी में बसे ईश हैं,
प्यारे दिल में सभी के वही ईश हैं ।
जिसने माना जहाँ प्रभु वहीं बस गये,
ऐसे भक्तों से हमको मुकरना नहीं ॥
जिसके दिल को....
प्रेम करते सभी हैं सभी से मगर,
ईश से प्रेम करने से जाते मुकर ।
जिसके मन में कभी प्रेम आता नहीं,
ऐसे जन के मुझे पास रहना नहीं ॥
जिसके दिल को....
कामनाओं में जो भी फँसे लोग हैं,
याद करलो उन्हें सारे ही रोग हैं ।
जिसके मन से कभी काम जाता नहीं,
ऐसे लोगों में तू कान्त रहना नहीं ॥
जिसके दिल को....

रचना : दासानुदास श्रीकान्त दास जी महाराज ।
स्वर : आलोक जी ।

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/34722/title/jiske-dil-ko-prabhu-prem-bhata-nahi>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |